

या कचहरी जहाँ सरकारी मालगुजारी वसूल की जाती है 4. तहसीलदार की कचहरी।

तहसीलदार पुं. (अर.) 1. तहसील का मुख्य अधिकारी 2. सरकारी मालगुजारी वसूल करने वाला।

तहसीलदारी स्त्री. (अर.) 1. तहसीलदार का काम 2. मालगुजारी वसूल करने का काम।

तहसीलना स.क्रि. (अर.) उगाहना, वसूल करना।

तहाँ क्रि.वि. (तद्.) वहाँ, उस स्थान पर प्रयो. जहाँ का तहाँ (वहीं का वहीं)।

तहाना स.क्रि. (देश.) तह करना, लपेटना।

तहाशा पुं. (अर.) 1. डर, भय 2. परवाह प्रयो. बेतहाशा।

तहियाँ क्रि.वि. (तद्.) तब, उस समय।

तहियाना स.क्रि. (देश.) तह लगाकर लपेटना।

तहीं क्रि.वि. (देश.) वहीं, उसी जगह।

तहू क्रि.वि. (देश.) तब भी।

तांडव पुं. (तत्.) 1. पुरुषों का नृत्य 2. शिव का उग्र नृत्य 3. शिव का नाम।

तांडवी स्त्री. (तत्.) संगीत के चौदह तालों में से एक।

तांडि पुं. (तत्.) नृत्य शास्त्र।

तांड्य पुं. (तत्.) सामवेद का एक ब्राह्मण ग्रंथ।

तांत वि. (तत्.) 1. थका हुआ 2. मुरझाया हुआ।

तांतव वि. (तत्.) 1. बुना हुआ 2. जाल 3. बुनकर तैयार किया गया कपड़ा।

तांतुवाय्य पुं. (तत्.) बुनकर का पुत्र।

तांतुवायि स्त्री. (तत्.) बुनकर का पुत्र।

तांत्रिक पुं. (तत्.) 1. तंत्रशास्त्र का ज्ञाता 2. तंत्र का प्रयोग करने वाला वि. तंत्र संबंधी।

तांबई वि. (देश.) तांबे के रंग का।

तांबूल पुं. (तत्.) 1. पान 2. पान का बीड़ा 3. सुपारी।

तांबूलपत्र पुं. (तत्.) पान का पत्ता।

तांबूलराग पुं. (तत्.) 1. पान की पीक 2. मसूर।

तांबूलिक पुं. (तत्.) पान विक्रेता, तमोली।

तांबूली स्त्री. (तत्.) पान की बेल।

ताँई पुं. (देश.) 1. तक 2. पास 3. पास के लिए।

ताँगा पुं. (देश.) दे. टाँगा।

ताँत स्त्री. (तद्.) 1. भेड़, बकरी आदि के चमड़े से बनाया गया धागा 2. धनुष की डोरी 3. सारंगी का तार मुहा. ताँत सा- बहुत दुबला-पतला।

ताँतड़ी स्त्री. (देश.) ताँत मुहा. ताँतड़ी सा- ताँत सा दुबला पतला।

ताँतवा पुं. (तत्.) आँत उतरने का रोग।

ताँता पुं. (देश.) 1. कतार 2. सिलसिला प्रयो. आने जाने वालों का ताँता लगा था मुहा. ताँता बाँधना- पंक्ति में खड़ा होना; ताँता लगना- तार न टूटना।

ताँतिया वि. (देश.) तांत तैसा दुबला पतला 2. तंतुवादक।

ताँती स्त्री. (देश.) तंतु पुं. जुलाहा।

ताँबा पुं. (देश.) लाल रंग की एक धातु पुं. (अर.) शिकारी पक्षियों के आगे डाला जाने वाला मांस का टुकड़ा।

ताँबी स्त्री. (देश.) 1. ताँबे का एक छोटा बरतन 2. ताँबे की करछी।

ताँवर स्त्री. (देश.) 1. जूड़ी, बुखार 2. बेहोशी, चक्कर।

ता प्रत्यय. (तत्.) भाववाचक प्रत्यय जो विशेषण से संज्ञा बनाने में प्रयोग किया जाता है।

ताई स्त्री. (देश.) 1. हल्का बुखार, हरातर 2. जूड़ी।

ताईद स्त्री. (अर.) 1. पक्षपात, तरफदारी 2. समर्थन पुं. (अर.) नायब, मुंशी।

ताऊ पुं. (तद्.) पिता के बड़े भाई मुहा. बछिया के ताऊ- अत्यंत मूर्ख व्यक्ति।